



ଜୟ ଜଗନ୍ନାଥ
॥

आषाढ शुभल पक्ष ०२, संवत २०८१ | डालटनगंज (मेदिनीनगर), राविवार, ०७ जुलाई २०२४, वर्ष-३०, अंक-२५९, पृष्ठ-१२ | ₹३.०० | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. ६१३१६/९४ | www.rastriyanaveenmail.com

₹3.00

रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94

www.rastriyanaveenmail.com

एकांतवास से बाहर आए भगवान जगन्नाथ, प्रभु को देख भाव-विभोर हुए भक्त

**राविवार शाम पाच बज रस्सा
बंधन के बाद निकलेगी रथ यात्रा**

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बारें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

एक नजारा

**संसद का बजट सत्र
22 से शुरू होगा :
संसदीय कार्य मंत्री
नई दिल्ली। संभव का बजट**

नहीं दल्ला। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय बजट 2024-25 लोकसभा में 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्र किरण रिंजन ने सोशल मीडिया प्लेटफर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई से 1 अगस्त तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) बुलाने के प्रस्ताव को मंजुरी दे दी है। केंद्रीय बजट, 2024-25 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति चुने जाने पर मसूद पेजेशकियन को दी बधाई



नई दल्ला। प्रधानमंत्रा नरन्द्र मोदी ने शनिवार को मसूद पेजेशकियन को इस्लामी गणराज्य ईरान का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोर्ट किया, इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति चुने जाने पर मसूद पेजेशकियन को बधाई। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे मधुर और दीर्घकालिक द्विपक्षीय सबंधों को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा है।

ଆজ | কল

प्रार्थना करो,
जाते-जाते आंखों
को ना भिगो दे।

इंडिया

भारत की विशेषता इसकी परंपराएँ हैं जहां कहा जाता है अर्यना निज़्योगेवेति गणना लघुचेतसाम । उदारचरितानाम तु वसुधैवकुटुम्बकम् ॥ अर्थात्-यह मेरा है, यह पराया है इस प्रकार की गणना लघु चेतना वाले लोग करते हैं। उदार चरित्र वाले मनुष्यों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही कुटुम्ब अर्थात् परिवार है। पर पश्चिमी देशों के एकल परिवार की अवधारणा के विपरीत एक अच्छी खबर आई स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के

अवकाश लाभ दिए जाते हैं। जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्र्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संगृण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में व्यवधान की तरह लगता है। यूरोप में ऐसे अनेक लोग हैं जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। मुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। कुछ प्रगतिशील लोगों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था



जिनका जकाउट नवर द पालाइ। पस ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की बापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहाँ के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नष्ट किया, उनके रहते परिवार की बापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं। किसी डे केर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों

अवकाश बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूँजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नष्ट किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं। किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं मिलती, दादी या नाना-नानी के रहते सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों देखभाल की गारंटी नहीं दी जाएगा कि परिवार तुम्हारे कर्मअंड बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार साझेंगे! स्वीडन का कानून बताता है कि अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पीढ़ी का होना और बच्चों को उनके मिलना कितना जरूरी है। दादा नाना-नानी के सानिध्य में बरिश से बहुत से अच्छे मूल मन में आसानी से जगह बना ले माता-पिता के काम पर जाने के लिए अकेला नहीं महसूस करते सुरक्षा की भावना भी मजबूत अपने वहां आजादी के नाम पर परिवार के बिखराव का जश्न मना उस बारे में भी सोचने की जरूरत में कहीं भी सिर्फ अपने अकेले न जीवन जिया जा सकता है, न सुकाला ही संभव है।

परिवार ढूँढता पश्चिम और खोते हुए हम

10.1002/anie.201907002

झारखंड हाईकोर्ट ने जेल में कैदी की खुदकुशी पर लिया संज्ञान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के होटेवार स्थित बिरसा मुंदा केंद्रीय कारागार में विचाराधीन कैदी सोमरा उरांव की आत्महत्या पर झारखण्ड हाई कोर्ट के जस्टिस और झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजित नारायण प्रमाण दे शनिवार को मंगल लिया। सब दिग्गिशाकोने बिरसा मंडा

उन्होंने ज्ञारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार और रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार को यह आदेश दिया कि वह तत्काल टीम गठित कर बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा का निरीक्षण करें। साथ ही मृतक के परिजनों को उचित विधिक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश का पालन करते हुए ज्ञालसा के उप-सचिव अधिकारी कुमार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के सचिव कमलेश बेहरा उद्देश्यानुसार यहां पहुंचे। उन्होंने मौत का स्पॉट निरीक्षण किया एवं सीसीटीवी फुटेज का भी अवलोकन किया। मृतक के परिजनों को भी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि विचाराधीन केंद्रीय सोमारा उपर्युक्त बिरसा मुंडा ने केंद्रीय कारा में शुक्रवार भोर 4.30 बजे जेल अस्पताल के बाथरूम में गमछे के सहरे फंदे पर लटककर जान दें दी थी। वह पती की हत्या के जुर्म जेल में 2017 से बंद था।

एक नजर

निर्वाचन कार्यों को तेजी से पूरा करने का निर्देश केन्द्र। आगामी विधानसभा चुनाव के मध्येनार प्रबंद कार्यालय केन्द्र के सभागार कक्ष में बीड़ीओ साक्षियां कुमारी ने सभी बीएलओ और सुपरवाइजर के साथ बैठक की। बीड़ीओ ने सभी बीएलओ और सुपरवाइजर को घर-घर जाकर तत्वात्मकों का सत्यापन करने, मृत मरदाताओं का नाम मरदाता सूची से हटाने, नाम सुधार करने, तथा नये मरदाता का नाम जड़ने की प्रक्रिया तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। बीड़ीओ ने कहा कि किसी भी सुरक्षा निर्वाचन कार्य में लापत्ती वर्षतान्त्र नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कमीयों को अपने कार्य पारवर्तीता के साथ करने का निर्देश दिया। इस पौरके पर बीड़ीओ अपने कार्य कुमारी, अनंद कुमार, बीएलओ राजी देवी, उर्मिला देवी शहित अन्य लोग मौजूद थे।

विद्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण केन्द्र। प्रखंड मुख्यालय केन्द्र स्थित राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार को एक दर्जन से अधिक पौधा लगाये गये। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार और शिक्षक सत्रोप ठाकुर, धनंजय पटेल ने बच्चों के साथ पौधारोपण किया। इन पौधों को बचाने के लिए उन्हें जागरूक भी किया। उन्होंने कहा की आज वो जी की कटाई से प्रश्न बढ़ा है। पेड़-पौधे काटने से तापानाम में वृद्धि हो रही है। वहीं पर्यावरण वारिश नहीं हो पा रहा है। इससे बचने के लिए पौधा लगाना जरूरी है। आर समय रहते हम लोग नहीं चेते तो आने वाला समय में सांस लेना भी मुश्किल हो जायेगा। उन्होंने बच्चों को अपने घर के पास पड़ास में भी पौधा लगाने और उसे बचाने के लिए प्रेरित किया।

दो महिलाओं को सांप ने डासा, चल रहा इलाज गढ़वा। श्रीबंधुधर नगर थाना क्षेत्र के पालड़े कला गांव निवासी विमला देवी वर रेलवा थाना क्षेत्र के गीता देवी को सांप ने डास लिया। बताया गया कि विमला देवी अपने घर के आसपास कुछ काम कर रही थी। इस दौरान उसे साप ने डास लिया। गीता देवी ने शनिवार को अलू सुबह में पीला वृक्ष पर उपर पूजा करने गई थी। इस दौरान उसके बाबा पैर में सांप ने डास लिया। उन्होंने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पदाधिकारियों को बैठक में शामिल करने की मांग गढ़वा। भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य जनी शर्मा ने डीसी एवं डीडीसी को पत्र प्रेषित कर जिला परिषद बोर्ड की बैठक में सभी विभागों के पदाधिकारियों को शामिल होने के लिए आवेदन निर्णय करने का आग्रह की है। सौंपे गये आवेदन में श्रीमती शर्मा ने कहा कि जिला परिषद बोर्ड की बैठक में परिषत किये गये किसी भी प्रकार के प्रस्ताव का निष्पादन नहीं हो पा रहा है। साथ ही विभाग द्वारा बैठक में परिषत प्रस्ताव का अनुपालन भी नहीं किया जाता है। जिससे जिला परिषद सदस्यगण अपमानित महसूस करते हैं।

पंचायत में मिला 47 अबुआ आवास, लेकिन जिन्हें ज्यादा जरूरत थी उन्हें ही दरकिनार किया

अबुआ आवास में गरीबों की उपेक्षा

नवीन मेल संवाददाता। रमन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना चल रहा है। जिसमें ग्रामीणों को पक्का मकान बनाने के लिए आवास योजना के अन्तर्गत वैसे लोगों को नाम चयनित किया जाना है जिनको पक्का मकान नहीं है और अर्थात् खाली पांचायत के मुख्या अनीता देवी ने कहा कि किसी भी सुरक्षा निर्वाचन कार्य में लापत्ती वर्षतान्त्र नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कमीयों को अपने कार्य पारवर्तीता के साथ करने का निर्देश दिया। इस पौरके पर बीड़ीओ अपने कार्य कुमारी, अनंद कुमार, बीएलओ राजी देवी, उर्मिला देवी शहित अन्य लोग मौजूद थे।

विद्यालय परिसर में किया गया पौधरोपण केन्द्र। प्रखंड मुख्यालय केन्द्र स्थित राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार को एक दर्जन से अधिक पौधा लगाये गये। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार और शिक्षक सत्रोप ठाकुर, धनंजय पटेल ने बच्चों के साथ पौधारोपण कार्यक्रम के लिए प्रखंड मुख्यालय द्वारा मार्गी गयी आवास योजना के योग्य लाभुकों को लिए कुल 437 योग्य लाभुकों का सूची प्रखंड अवास को भेजी गयी थी, जिसमें वैसे लोगों को प्राथमिकता देने की वात कही गयी थी जो अति निर्धन और जिनको लिए लायक घर नहीं है।

प्रखंड के आदिकुमार वैसे ग्रामीणों को सूची दी गयी थी जिनको लिए लायक घर नहीं था, लेकिन वैसे लोगों को प्रथम पूर्ण मार्गी आवास प्रदान करने के लिए लायक घर नहीं है।



शामिल नहीं किया गया। हमारे पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहने का विवर है, और इन परिवारों को किसी भी प्रकार का कोई हानि होती है। लेकिन गरीबों के लिए लायक घर नहीं है।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत को कुल 47 अबुआ आवास मिला है जिन्हें अति अवश्यक थी। उनको ही आवास प्रदान करने के लिए बरसात का मौसूम सबसे कस्तुरी होती है। इनकी भी आवास नहीं मिला, जिससे मजबूर होकर जान जाओयम में डालकर जर्जर घर में रहने को विवर है। वेश्वर ग्रामीणों के लिए बरसात हाल एक विशेष घटना है। लेकिन इनकी भी आवास नहीं है। विवर के लिए ज्यादा दिनों तक जर्जर मकान में रहते हैं।

दाहिना पैरे और हाथ कमज़ोर हो जाने के कारण पूरी तरह से बेरोजगार हो गये हैं, जिनके लिए बरसात हाल एक बड़ी बाधा है। लेकिन गरीबों के लिए लायक घर नहीं है।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहने का विवर है, और इन परिवारों को किसी भी प्रकार का कोई हानि होती है। लेकिन गरीबों के लिए लायक घर नहीं है।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया और आज वे जर्जर मकान पर प्लास्टिक का तिरपाल डाल कर रहते हैं।

प्रदाधिकारी जिमेवार है। इस पंचायत के वैसे निर्धन लोग जो अधिक तरीके के कारण घर बनाने में सहमत हो उनको ग्राम सभा द्वारा चयनित कर प्रखंड को सूची उपलब्ध कराये के बाद भी उन्हें प्राथमिकता नहीं दिया गया

एक नज़र

भाकपा माओवादियों का कोल्हान बंद 10

ज़ुलाई को पश्चिमी संस्कृत। भाकपा माओवादी ने दक्षिणी ज़ोलत कमेटी ने 10 जुलाई को

कोल्हान प्रमंडल बंद का आहान किया है। दक्षिणी ज़ोलत कमेटी ने कहा है कि अपरेशन कागर के तहत झारखंड पुलिस और अदर्सैनिक बलों ने लोबादा में ऑपरेशन की जूलीन चलाया है। इसके फिलाम 10 जुलाई को 24 घंटे का कोल्हान प्रमंडल बंद लोबादा गया है। भाकपा माओवादी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि 23 मई को लोबादा गाँव के पास ज़गल में कामरेड बुधराम को रास्ता तीन सदस्यीय टीम की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में जब कामरेड बुधराम को पैर में गोली लगा तो वे ज़रूर में अस्पत्य हो गये।

पुलिस ने कामरेड बुधराम को धायल अवस्था में पकड़ कर बरवारा के साथ शारीरिक यातना देने के बाद सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वे शहीद हो गये।

टाटा स्टील में क्रेन से गिरकर कर्मचारी की मौत

ज़मेदार। टाटा स्टील के कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम) के एक कर्मचारी की ट्रॉल के भीतर ही क्रेन से गिर जाने से मौत हो गई। मृतक जमेदार के कदमा थाना क्षेत्र का रहने वाला नरेश प्रसाद (32) है, जो टाटा स्टील के सीआरएम विभाग में श्वाई कर्मचारी था। बताया जाता है कि प्रसाद क्रेन ऑपरेटर था और क्रेन पर चढ़ रहा था। इसी दौरान वह अचानक गिर गया। गिरने की वजह से बुरी तरह धायल हो गया। धटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा विभाग ने टीम ने नरेश प्रसाद को टीएम-एस अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद वहां के नरेश प्रसाद को नरेश प्रसाद के विकासकों ने उसे भेजा।

नीति आयोग की ओर से संचालित संपूर्णता अभियान का किया शुभारंभ

नवीन मेल संचालित गिरिडीह। समाहरालय सभागर कक्ष में उत्तिवासी आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सज़र्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उत्तिवासी ने सभी प्रशिक्षियों और कर्मियों को लक्ष्य प्रतिक्रिया के लिए शपथ दिलाया। इस दौरान उत्तिवासी को लक्ष्य प्रशिक्षियों और कर्मियों को संचालन किया जा रहा है। नीति आयोग द्वारा संचालित तीन माह का संपूर्णता अभियान के तहत इंडिकेटर वाइज सुचेशन के निमित्त सभी 09 इंडिकेटर्स में प्रगति करने की अवधिकता है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के तहत नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम अन्तर्नित संकेतक वार संवृत्ति के निमित्त 09 संकेतक का चयन करते हुए संबंधित क्षेत्रों में परिषिक्षण हेतु तीन माह का "संपूर्णता अभियान" प्रारंभ करने का नियन लिया गया है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना है। नीति आयोग के 112 आकांक्षी नियांत्रित किया गया है।

30 किमी पीछाकर अवैध शराब लदे कार को पुलिस ने पकड़ा

नवीन मेल संचालित नियांत्री। आना पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने फिल्मी स्टाइल में कारबाई करते हुए अवैध शराब लोड वाहन को जब किया है। फिल्मी नियांत्री ने अनुसुर नियांत्री को एक कर में अवैध शराब लोड कर विद्वान जाने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद तिसरी वालोंका थाना की पुलिस और उत्पाद विभाग ने जाल बिछा रखा था। हालांकि पुलिस द्वारा बिछाये गए जाल की भनव शराब माफियों को लेके देख रही थी। जिसके बाद तिसरी वालोंका थाना की पुलिस ने लगभग 30 किमी तक उस कार की पीछा किया। इस दौरान भड़ारी और लक्ष्यपुर गांव में स्थानीय लोगों ने उसे रोकने के लिए सड़क पर चौकी और मोटरसाइकल लगाया लेकिन माफिया उसमें भी टवकर मारते हुए निकल गए। इसके बावजूद पुलिस ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। किमी स्टाइल में अपराधियों की कार आगे - आगे भग रही थी। वह सब देख के लग रहा था कि मानो किसी फिल्म। की शूटिंग हो रही हो।

रोटी, माटी और बेटी की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा : अमर बातरी

हुल आंदोलन के 50हजार आदिवासियों के बलिदान को अपमानित किया है हमें सोरेन सरकार ने



नवीन मेल संचालित राजमहल। नेता प्रतिष्ठान अमर कुमार बातरी ने शनिवार को राजमहल विधानसभा के कार्यक्रम सम्मान कार्यक्रम एवं विजय संकल्प सभा को संबोधित किया।

बातरी ने कहा कि कार्यक्रम का सम्मान हो गया।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

उन्होंने कहा कि आज संथाल

परगना धार्यावटी की धरती बन गई।

यजनीति

नेपाल ने पवित्र गटबंधन

पड़ोसी मुल्क नेपाल में सियासी लुका-छिपे का खेल बरसों-बरस से जारी है। हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलाह वर्षों का सियासी लेखा-जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुण्य कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबन्धन



बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्ताखड़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार में शामिल सीपीएन-यूपमएल के आठ मर्जियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूपमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज प्रचंड की सरकार अल्लविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन कब काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर रहेगी। यह राजनीतिक बदलाव चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रधानमंत्री प्रचंड का साफ कहना है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या दीवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएन-मायोवादी सेंटर के मुखिया पुष्ट कपल दहल प्रचंड को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, यह सियासी टीकाकारों के मूल्यांकन का विषय है। इस दिन आधिनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल खुशी का झजहार किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद

(ये लखक के निजा विचार हैं।)

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ रहा खतरा, स्वास्थ्य को छौपट कर देगा



लालत गंगा



देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहु बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों कम कर सकता है।

भारत का अपना पहला गाइडलाइन बनाइ गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही हैं, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समुद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दार में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा काबोर्हिंट्रूट और ज्यादा वासा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे का समय पर नियंत्रित नहीं किया गया भारत बीमारों का देश बन जायेगा। भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर बतार है। इस बीमारी के लक्षण तो नज़र नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर अपनी जड़े जमाने लगती है और हाथ अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों वाले जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित तरह कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है कि वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसकी पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ की ही जानी चाहिए। पहली बार देश कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टरों ने कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा

कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देश के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मध्याह्न आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है। इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे

सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानापान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे। कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नंबर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है। दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक रास्ते के लिये नहीं, समूची दुनिया के लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेद घेरा है।

लोकतंत्र

साथेक संवाद की दृष्टि से निराशजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

या अप्रांतम समय था। किन्तु पहले दिन का वाह वाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनत दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ वशाली परंपराओं, विमर्शों और ती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू बहसों को प्रोत्साहित किया और राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुख्यी से लेकर पीलू मोदी तक को मुख्य चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की धूमधंग के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो की धारा को रोकने वाला है।

सत्तारूढ़ दल का हो लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं व्यक्तिके संसद का ज्यादातर समय हम विवादोंमें खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नवी सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छः माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलभूत है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं, विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है। लोकसभा के पहले सत्र का लाइव प्रसारण देखते हुए हर संवेदनशील भारतीय जन को ये दृश्य अच्छे नहीं लगे हैं। संसदीय मराठीओं और परंपराओं की रक्षा हमारे संसद गण नहीं करेंगे तो कौन करेगा? संसदीय राजनीति के शिखर पर बैठे द्वितीयवान संसदों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने आचरण से इस महान संस्था का गौरव बढ़ाने में सहयोगी बनें। नफरतों, कड़वाहटों और संवादहीनतासे 'राजनीति' तो संभव है पर 'राष्ट्रनीति' हम न कर पाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार है।)

**ਲੇਕਿਨ ਯਾਹੂਲ ਗਾਂਧੀ
ਨੇ ਮਹਾਦਾ ਤੋਡ੍ਹ ਦੀ**

लाकासभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिन्दुओं का हिंसक कहा है। इस वक्तव्य पर अखिल भारतीय प्रतिक्रिया हो रही है। नेता प्रतिपक्ष से सदन की मर्यादा और अतिरिक्त शालीन व्यवहार की अपेक्षा रहती है। लेकिन राहुल ने मर्यादा तोड़ दी। वे प्रधानमंत्री को संसदीय परंपरा के अनुसार माननीय नहीं कहते। वे उन्हें 'नरेंद्र मोदी' कहते हैं। वे संभवतः यह बात भी नहीं जानते कि संसदीय व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष का पद बेहद सम्माननीय होता है। ब्रिटिश संसदीय परम्परा में वह 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है। कमाल है कि वे भारतीय उपमहाद्वीप के अधिजनों की विश्ववरेण्य हिन्दू संस्कृति से अपरिचित हैं। हिन्दू उन्हें हिंसक दिखाई पड़ते हैं। हिन्दू समाज व्यवस्था का मूलभूत तत्व लोककल्याण है। हिन्दू भारत की प्रकृति और संस्कृति के संवाहक हैं। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। हिन्दू जीवनशैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। हिन्दुत्व समग्र दर्शानिक अनुभूति है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दू तत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रमक हैं। हिंसक हिन्दुत्व राहुल ने जाड़ा है। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुज्ञ कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी होता है। पूंजीवाद-कैटलिज्म है। समाजवाद सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुज्ञ भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है। लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। अस्तिकाता हिन्दू

भारतीय कूटनीति नजरिए से कितना अहम है ब्रिटेन का सत्ता परिवर्तन



नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्हें भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेवर पार्टी को बोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय नॉर्थलरेटन सीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि नॉर्थलरेटन वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बाकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटाना होता है। ऐसे मौकों पर तरह-तरह वे भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग औ समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादात मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कइयों की तो जमानत भी जब्त हुई है। ब्रिटेन और भारत के मौजूदा चुनाव ने एक बात यह बता दी है कि मतदाताओं वे मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं। कोई नेता या दल इस मुगलाते में न रह के फला समुदाय या मतदाता उनका है। बहरहाल, ब्रिटेन में चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेवर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। नतीजे को लेवर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। लेवर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार वे साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनाव

लेबर पार्टी ने 650 सीटों में
से 400 पार के साथ 14 साल
बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चाहे
जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनाव में
मुझे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक
धिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें
पहला कोरोना मैं व्यवस्थाओं का
चरमाना, वहीं दूसरा देश की
अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक
जाना। इन दोनों मुझों को लेबर पार्टी ने
अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत
के साथ मित्रता और देशवासियों के
हितों की अनदेखी करने का मुहा
भी चुनाव में खूब उछला।

कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे।
प्रमुख मसले जिसमें पहला करोना में व्यवस्था
का चरमाना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था
का ग्राफ नीचे खिसक जाना। इन दोनों मुद्दों
लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैपेन बनाया था।
भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हिस्से
की अनदेखी करने का मुद्दा भी चुनाव में रखा
उठला। ब्रिटेन की नई हुक्मत के साथ ही
संसंबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा ब
सवाल यह भी है कि आखिर भारतीयों का सुन
के प्रति मोहरभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारत
मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर र
होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया,
ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एं
की जगह बदलने के लिए मतदान किया।
दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वा
सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराक
मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरू
इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत क

बढ़ी बात नहीं। बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए। किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें। हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्थीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता कीरा स्टार्मर को दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए। लेबर पार्टी की यह जीत उमीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। इस सरकार पर उमीदों का पहाड़ है। चरमराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिना वजह दखलदांजी को रोकना, ऊर्जा स्रोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, युक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना भी होगा। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। हालांकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयी भाषण में सिर्फ अपने मुल्कवासियों को सदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि ‘मैं आपकी आवाज बनूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपके लिए लड़ूंगा।’ उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खूब तालियां बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है। इस जनादेश और जनसमर्थन को सहेजना भी कठिन परीक्षा जैसा रहेगा। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

۶۸۲

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA



"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए

50% की छूट

Facilities

- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्मार्टल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल क्लिप
- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के सपने को कैसे किया साकार, सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल

पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंटी

नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में शामिल रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को शनिवार को 123वीं जयंती मनाया जा रही है। इसमें बताया गया है कि कैसे पीएम मोदी ने लगातार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों और भारत को एक जुट करने के उनके प्रयासों का समर्थन किया है। इसके साथ ही इसमें बताया गया कि तकलीफ गुरुत्व के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 के लोकसभा चुनाव में रैली उसी स्थान से शुरू की थी, जहां से श्यामा प्रसाद मुखर्जी को गिरफतार किया गया था। वहीं, 5 अगस्त 2019 में मोदी सरकार ने कशीपर से अर्द्धकिल 370 हेक्टार उनके सपने को साकार किया।



भाजपा के लोगों ने हमारा ऑफिस तोड़ा हम इनकी सरकार तोड़ेंगे : राहुल गांधी

एजेंटी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पालडी स्थित राजीव गांधी भवन में शनिवार को हूली में चक्रवर्ती से बात करते हुए जोशी ने कहा, श्री राम सेना को बम से उड़ाने की धमकी देना गलत है। इससे पहले मिडिया को संबोधित करते हुए श्री राम सेना के वरिष्ठ नेता गंगाधर कुलकर्णी ने कहा कि 29 मई को हेल्पलाइन खोलकर लव जिहाद के खिलाफ अभियान शुरू करने के बाद बम से उड़ाने और जान से मारने की धमकी दी गई।

रामपंदित, अभ्यु मुद्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा को चारों ओर से घेरने का प्रयास किया। राहुल गांधी कांग्रेस कार्यालय पर पथरवाने और पार्टी कार्यकारी नियमों की गिरफतारी के विरोध में गुजरात दौरे पर है। गुजरात में राहुल गांधी को उनका कार्यक्रम है राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकारिताएँ अव्याधि करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि गुजरात में कांग्रेस जीती। भाजपा ने उनका आफिस तोड़ा है, हम इनकी सरकार तोड़ेंगे। राहुल गांधी ने अव्याधि में भाजपा की हार का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा अव्याधि में इसलिए हारी क्योंकि भाजपा ने अव्याधि में जिन लोगों की जमीनें लीं, उन्हें गमर्हने की प्राण प्रतिष्ठा में जगह नहीं मिली। राहुल गांधी को उनका कार्यक्रम आव्याधि में चुनाव में कांग्रेस कार्यक्रम अव्याधि में बब्र शेर की तरह ईडिया गवर्नर्शेन के लिए खड़े हो और वहां पर भाजपा हार गई। राहुल गांधी ने गुजरात के कांग्रेस कार्यकारिताएँ से कहा अपने लोगों से बहुत लाठियां खाली हैं, अब उन्हें हटाना है।

राष्ट्रपति मुमू आज से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वापदी मुमू आज से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर होंगी। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने पांच जुलाई के उनके ओडिशा दौरे में साझा का एक जवान बलिदान की विवरिति में साझा की थी। पीआईबी के अनुसार, राष्ट्रपति मुमू छह जुलाई को भुवनेश्वर में उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की 96वीं पुण्यतिथि पर आवाजित समारोह में शामिल होंगी।

कुलगाम मुठभेड़ में सेना का एक जवान बलिदान, अभियान जारी है। एजेंटी के दौरान वीरता को प्राप्त हो गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अधियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, सेना की 9 आरआर और सीआरपीएफ की संवर्क टीम में इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच जारी मुठभेड़ में पांच जुलाई के बीच सूचना पर घेबदी और तलाशी अधिकारी शुरू किया। उन्होंने कहा कि जैसे ही सुख्ख बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी तो भौके पर छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

एजुकेशन/करियर

दृष्टिकोण | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है- बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार 'यह बुद्धिमान मरीजों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम को बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग है। सामान्य शब्दों में यह मरीजों द्वारा प्रदर्शित की गई इंटेलिजेंस कंप्यूटर साइंस का एक सब-डिवीजन है और इसकी जड़ें पूरी तरह से कंप्यूटिंग सिस्टम पर आधारित हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उद्देश्य ऐसे उपकरणों का निर्माण करना है जो इंटेलिजेंस से और स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और मानव श्रम और मैनुअल काम को कम कर सकें। यहां कुछ प्रमुख विषय दिए गए हैं जिनसे आप AI कोर्स में पढ़ेंगे...



संभावनाओं से भरी है एआई की फील्ड, अवसर अपार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स प्रदान करने वाली दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज की लिस्ट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स की लिस्ट

सीटी IIT

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स की लिस्ट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स की लिस्ट



भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया, इस प्रकार है

सबसे पहले आपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।

इसके बाद आपने फॉर्म जमाएं और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

यदि आपने एक विश्वविद्यालय लिया है तो आपने एक विश्वविद्यालय की परीक्षा की जमाएं और आपका चयन किया जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत जॉब प्रोफाइल्स

